श्री विष्णु भगवान की आरती

जय जगदीश हरे | प्रभु ! जय जगदीश हरे ।
भक्तजनों के संकट क्षण में दूर करे || जय .... || १ ||

जो ध्यावै फल पावै दु:ख बिनसै मनका ।
सुख सम्पत्ति घर आवै कष्ट मिटै तनका || जय .... || २ ||

मात पिता तुम मेरे शरण गहूँ किसकी ।
तुम बिन और न दूजा आस करूँ जिसकी || जय .... || ३ ||

तुम पूरन परमात्मा तुम अंतर्यामी ।
पारब्रह्म परमेश्वर तुम सबके स्वामी || जय .... || ४ ||

तुम करुणा के सागर तुम पालनकर्ता ।
मैं मुरख खल कामी कृपा करो भर्ता || जय .... || ५ ||

तुम हो एक अगोचर सबके प्राणपति ।
किस विधि मिलूँ दयामय तुमको मैं कुमती || जय .... || ६ ||

दीनबन्धु, दु:खहर्ता तुम ठाकुर मेरे ।
अपने हाथ उठाओ द्वार पडा तेरे || जय .... || ७ ||

विषय विकार मिटाओ पाप हरो देवा ।
श्रद्धा भक्ति बढाओ संतन की सेवा || जय .... || ८ ||

जय जगदीश हरे प्रभु ! जय जगदीश हरे ।
मायातीत महेश्वर मन वच बुद्धि परे || जय .... || ९ ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

आदि अनादि अगोचर अविचल अविनाशी ।
अतुल अनन्त अनामय अमित शक्ति राशि ॥ जय .... ॥ १० ॥

अमल अकल अज अक्षय अव्यय अविकारी ।
सत चित सुखमय सुन्दर शिव सत्ताधारी ॥ जय .... ॥ ११ ॥

विधि हरि शंकर गणपति सूर्य शक्तिरूपा ।
विश्व चराचर तुम ही तुम ही विश्वभूपा ॥ जय .... ॥ १२ ॥

माता पिता पितामह स्वामि सुहृद् भर्ता ।
विश्वोत्पादक पालक रक्षक संहर्ता ॥ जय .... ॥ १३ ॥

साक्षी शरण सखा प्रिय प्रियतम पूर्ण प्रभो ।
केवल काल कलानिधि कालातीत विभो ॥ जय .... ॥ १४ ॥

राम कृष्ण करुणामय प्रेमामृत सागर ।
मन मोहन मुरलीधर नित नव नटनागर ॥ जय .... ॥ १५ ॥

सब विधि हीन मलिन मति हम अति पातकि जन ।
प्रभुपद विमुख अभागी कलि कलुषित तन मन ॥ जय .... ॥ १६ ॥

आश्रय दान दयार्णव! हम सबको दीजै ।
पाप ताप हर हरि! सब निज जन कर लीजै ॥ जय .... ॥ १७ ॥

श्री राम कृष्ण गोपाल दामोदर नारायण नरसिंह हरी ।
जहां जहां भीर पडी भक्तों पर तहां तहां रक्षा आप करी ॥ श्री राम कृष्ण ..... ॥ १८ ॥

भीर पडी प्रहलाद भक्त पर नरसिंह अवतार लिया ।
अपने भक्तों की रक्षा कारण हिरणाकुश को मार दिया ॥ श्री राम कृष्ण ..... ॥ १९ ॥

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

www.viswakalyanam.org

होने लगी जब नग्न द्रोपदी दु:शासन चीर हरण किया ।
अरब खरब के वस्त्र देकर आस पास प्रभु फिरने लगे ॥ श्री राम कृष्ण ..... ॥ २० ॥

गज की टेर सुनी मेरे मोहन तत्काल प्रभु उठ धाये ।
जौ भर सूंड रहे जल ऊपर ऐसे गज को खेंच लिया ॥ श्री राम कृष्ण ..... ॥ २१ ॥

नामदेव की गउआ बाईया नरसी हुण्डी को तारा ।
माता पिता के फन्द छुडाये हाँ! कंस दुशासन को मारा ॥ श्री राम कृष्ण ..... ॥ २२ ॥

जैसी कृपा भक्तों पर कीनी हाँ करो मेरे गिरधारी ।
तेरे दास की यही भावना दर्श दियो मैंनू गिरधारी ॥ श्री राम कृष्ण ..... ॥ २३ ॥

श्री राम कृष्ण गोपाल दामोदर नारायण नरसिंह हरि ।
जहां जहां भीर पडी भक्तों पर वहां वहां रक्षा आप करी ॥ २४ ॥

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133